http://www.ukboardonline.com

रोल नं०

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

001

201 (HAA)

2014

हिन्दी

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2\times5=10$

उद्योग किसी देश की अर्थव्यवस्था तथा वहाँ के निवासियों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करते हैं। औद्योगीकरण से देश की अर्थव्यवस्था का विकास होता है। उद्योगों द्वारा लोगों के दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं का निर्माण किया जाता है और उद्योग लोगों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। उद्योग जीवन के लिए अनेक प्रकार की सुख–सुविधाएं जुटाकर हमें एक समृद्ध और सुखी जीवन व्यतीत करने में सहयोग देते हैं। किसी देश के निवासियों का जीवन–स्तर काफी सीमा तक उस देश के औद्योगिक विकास पर निर्भर करता है। उद्योगों के द्वारा निर्मित सामग्री का विदेशों को निर्यात कर विदेशी मुद्रा कमाई जा सकती है, जिससे राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है। उद्योगों से लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं जिससे वे अपना जीवन निर्वाह करने में समर्थ हो पाते हैं।

कृषि की दृष्टि से हमारा अतीत अत्यन्त गौरवशाली रहा है, परन्तु औद्योगिक विकास की दृष्टि से हम बहुत लम्बे समय तक पिछड़े रहे हैं। स्वतन्त्रता–प्राप्ति के उपरान्त देश की उन्नति के लिए औद्योगिक विकास की आवश्यकता अनुभव की गई। फलतः पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से देश में उद्योगों के विकास पर विशेष बल दिया गया, लेकिन उद्योगों के साथ–साथ कृषि विकास पर भी पूर्ण ध्यान दिया गया, क्योंकि कृषि एवं उद्योग दोनों ही अपने विकास के लिए एक–दूसरे पर आश्रित हैं। यदि कृषि ने अनेक उद्योगों के लिए कच्चा माल सुलभ कर उद्योगों के लिए सुदृढ़ आधार प्रदान किया है तो दूसरी ओर उद्योगों ने भी इसके बदले में कृषि उपजों में वृद्धि करने में भारी योगदान किया है। कृषि में उर्वरकों, कीटनाशकों, नए–नए हलों, ट्रैक्टरों, थ्रेसरों, हार्वेस्टरों तथा बिजली एवं डीजल के उपयोग ने कृषि क्षेत्र को उन्नति की ओर अग्रसित किया है। वास्तव में आज कृषि एवं उद्योग एक–दूसरे के पूरक बन गए हैं। कृषि एवं उद्योग दोनों का साथ विकास होने से देश में आर्थिक विकास की गति तीव्र होती है जिससे लोगों के जीवन–स्तर में सुधार होता है।

(क) उद्योग किसकी पूर्ति करते हैं ?

(ख) किसी देश के निवासियों का जीवन–स्तर किस पर निर्भर है ?

(ग) स्वतन्त्रता के उपरान्त उद्योगों के विकास हेतु क्या किया गया ?

(घ) देश के आर्थिक विकास की गति कैसे तीव्र हो सकती है ?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिये।

2. दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) 'बेरोजगारी की समस्या' :

(i) प्रस्तावना (ii) बेरोजगारी : एक प्रमुख समस्या

(iii) बेरोजगारी के कारण (iv) बेरोजगारी की समस्या का समाधान

(ख) 'जल ही जीवन है' :

(i) जल का जीवन में महत्व (ii) स्वच्छ पेय जल

(iii) जल संरक्षण (iv) प्रदूषण और उससे बचाव

3. आपका मित्र बोर्ड की परीक्षा में मेरिट सूची (योग्यता सूची) में प्रथम स्थान पर आया है, उसे बधाई पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।) 5

अथवा

http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

नगर निगम अधिकारी, मेरठ को नागरिकों की ओर से पत्र लिखिए कि नगर क्षेत्र में सड़कों पर बहुत सा पानी जमा हो गया है जिससे मलेरिया फैलने का भय है। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।)

4. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद छाँटकर उसका भेद लिखिए। 1×2=2

(क) व्यास जी ने पुराण लिखे। (ख) वह जाग पड़ा।

यथा निर्देश उत्तर लिखिए – 1×2=2

(ग) वह प्रतिदिन आता है। (क्रिया विशेषण छाँटकर लिखिए)

(घ) पढ़ो अन्यथा फेल हो जाओगे। (समुच्चय बोधक शब्द छाँटकर लिखिये)

5. निम्नलिखित वाक्यों में आश्रित उपवाक्य अलग करके बताइए कि वह किस प्रकार का है ? 1×2=2

(क) उसने कहा कि मैं कल आगरा जाऊँगा। (ख) यदि परिश्रम करोगे तो अवश्य सफलता मिलेगी।

वाच्य परिवर्तन कीजिए – 1×2=2

(ग) सीता ने रोटी खाई। (कर्मवाच्य में) (घ) वह चुपचाप नहीं बैठ सकता। (भाववाच्य में)

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में से 'कच' शब्द का प्रयोग किसके लिए होता है – 1

(i) केश (ii) उरोज (iii) जंघा (iv) मूछें

(ख) इनमें से कौन सा अर्थ 'चपला' का नहीं है – 1

(i) बिजली (ii) लक्ष्मी (iii) जीभ (iv) जमीन

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी **एक** काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 3×2=6

(i) कौसिक सुनहु मंद येहु बालकु। कुटिलु कालबस निज कुल घालकु।।
भानुबंस राकेस कलंकू। निपट निरंकुसु अबुधु असंकू।।
कालकवलु होइहि छन माहीं। कहौं पुकारि खोरि मोहि नाहीं।।
तुम्ह हटकहु जौ चहहु उबारा। कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा।।
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा। तुम्हहि अछत को बरनै पारा।।
अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी। बार अनेक भाँति बहु बरनी।।
नहि संतोषु त पुनि कछु कहहू। जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू।।
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा। गारी देत न पावहु सोभा।।
सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु।
विद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु।।

(क) परशुराम जी ने किन–किन शब्दों से लक्ष्मण जी को अपमानित किया ?

(ख) शूरवीर की क्या पहचान बताई गई है ?

(ग) 'कौसिक' किसे कहा गया है ?

(ii) छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी
छवियों की चित्र–गंध फैली मनभावनी;
तन–सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,
कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।
भूली–सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण–

(क) "छाया मत छूना" में छाया का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ख) सुधियों को 'सुहावनी' और 'सुरंग' क्यों कहा गया है ?

(ग) हर जीवित क्षण "भूली–सी एक छुअन" कैसे बन जाता है ?

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए । 3×2=6

(क) पाठ्यपुस्तक में संकलित सूरदास के पदों में कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है ?

(ख) 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर बताइये कि कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है ?

(ग) 'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है ?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

9. (क) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को क्या–क्या सीख दी ? 2
(ख) 'उत्साह' कविता का सन्देश अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए। 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 2×2=4

(i) शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम–से–कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती–थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब–तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।

(क) "सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया।" – आशय स्पष्ट कीजिए।
(ख) लेखिका के पिता अपनी विवशताओं को अपने परिवार के सामने भी स्पष्ट क्यों नहीं कर पाते थे ?

(ii) संस्कृति के नाम से जिस कूड़े–करकट के ढेर का बोध होता है, वह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु। क्षण–क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज को पकड़कर बैठा नहीं जा सकता। मानव ने जब–जब प्रज्ञा व मैत्री भाव से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है तो उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की जरूरत है।

मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है, वह अकल्याणकर की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी है।

(क) क्या चीज रक्षणीय नहीं है और क्यों ?
(ख) 'मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है', इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×2=4
(क) मोह और प्रेम में अंतर होता है। 'बालगोबिन भगत' की किस घटना के आधार पर यह कथन सिद्ध होता है ?
(ख) फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी ?
(ग) 'एक कहानी यह भी' आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है ? http://www.ukboardonline.com

12. (क) 'नेता जी का चश्मा' कहानी से प्राप्त संदेश को स्पष्ट कीजिए। 2
(ख) 'स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते हैं', कुतर्कवादियों की इस दलील का खण्डन द्विवेदी जी ने कैसे किया ? संक्षेप में लिखिए। 3

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6
(क) 'माता का अँचल' पाठ में आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है ?
(ख) 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ–कहाँ और किस तरह से हो रहा है ?
(ग) रानी एलिजाबेथ के दर्जी की परेशानी के क्या कारण थे ? उसकी परेशानी को आप किस प्रकार तर्कसंगत ठहराएँगे ?
(घ) 'साना–साना हाथ जोड़ि.....' कहानी के आधार पर बताइए कि प्राकृतिक सौंदर्य के अलौकिक आनन्द में डूबी लेखिका को कौन–कौन से दृश्य झकझोर गए ?

खण्ड – 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत -- 2×3=6
(निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्हीं <u>3</u> प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)
चौराः चौर्यं न अकुर्वन्। ते तं जनं पृष्टवन्तः तव पार्श्वे बहूनि कम्बलानि सन्ति, तथापि त्वं किमर्थं भूमौ शयनं करोषि ? चाणक्यः उक्तवान् यत् यानि कम्बलानि मत्पार्श्वे सन्ति तानि नृपेण दत्तानि सन्ति, तानि श्वः प्रातः काले निर्धनेभ्यः प्रदास्यामि। तेषां कम्बलानाम् उपयोगस्य मम अधिकारः नास्ति। एतेषु कम्बलेषु निर्धनानाम् एव अधिकारः अस्ति। इदं श्रुत्वा चोरेषु लज्जा उत्पन्ना। अन्येषां द्रव्यस्य उपयोगेन अधर्मः भवति

http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

इति। किन्तु वयं जीवने प्रतिदिनं अन्यस्य द्रव्यस्य अपहरणं कुर्मः, अधर्मस्य आचरणं कुर्मः। एतेन पापस्य सङ्ग्रहणं भवति इति चिन्तयित्वा ते चाणक्यं क्षमां प्रार्थितवन्तः, प्रतिज्ञां च कृतवन्तः–"अद्य आरभ्य वयं चौर्यकर्म न करिष्यामः। तदनन्तरं ते चौरकर्म त्यक्त्वा सज्जनाः अभवन्।"

(क) चौराः जनं किं पृष्टवन्तः ? (ख) अधर्मः केन भवति ?
(ग) चौराः किं कृतवन्तः ? (घ) किं कृत्वा चौराः सज्जनाः अभवन् ?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×2=4
(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं **2** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

जाड्यं धियो हरति सिञ्चति वाचि सत्यं
मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति।
चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिं
सत्सङ्गतिः कथय किं न करोति पुंसाम्।।

(क) कम् अपाकरोति सत्सङ्गतिः ? (ख) चेतः का प्रसादयति ?
(ग) सत्सङ्गतिः मानोन्नतिं किं करोति ?

16. पठित पाठाधारितान् **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3=6
(पठित पाठ के आधार पर किन्हीं **3** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)
(क) गंगा कुतः प्रवहति ? (ख) हरिद्वारं केषां प्रमुखं तीर्थस्थलम् अस्ति ?
(ग) कन्याकुमार्यां समुद्रशिलायां कः ध्यानं कृतवान् ? (घ) राजा रघुः कस्य पुत्रः आसीत् ?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं **चत्वारि** रिक्त स्थानानि पूरयत – 1×4=4
(निम्नलिखित दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं **4** वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

शब्द सूची – | सुखस्य, जनाः, वृक्षाः, पापकर्म, रघोः, दूरीकरोति |

(क) दिलीपः .... पिता आसीत्। (ख) अद्य आरभ्य वयं .... न करिष्यामः।
(ग) दुःखं विना नैव .... बोधः। (घ) सत्सङ्गति औषधवत् दुर्गुणान् .... ।
(ङ) यतो मां .... गुञ्जया तोलयन्ति। (च) मानवं पुत्रवत् .... तारयन्ति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् उत्तरत – 2×3=6
(निम्न प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं **3** प्रश्नों का उत्तर दीजिए।)
(क) सन्धिं कुरुत। (सन्धि कीजिए।) – पूर्ण + इन्दु , तथा + एव
(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) – इत्यादि , नयनम्
(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत। (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए) – नीलकण्ठः , हिमालयः
(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत।
(निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग अलग कर लिखिए।) – अनुचरः , अधिभारः
(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत।
(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)
(i) बालकः .... पुस्तकम् ददाति। (मित्राय / मित्रम्)
(ii) पिता .... सह आगतः। (पुत्रस्य / पुत्रेण)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण **चतुर्णाम्** वाक्यानां निर्माणं कुरुत – 1×4=4
(निम्न शब्दों में से किन्हीं **4** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।)
(क) परितः (ख) कुत्र (ग) इदम् (घ) युष्माकम् (ङ) अपठत् (च) गृहम्

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः **द्वयोः** संस्कृतानुवादं कुरुत – 2×2=4
(निम्न वाक्यों में से किन्हीं **2** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।)
(क) वह पत्र लिखेगा। (ख) तुम पुस्तक पढ़ो। (ग) हमें सदा सत्य बोलना चाहिए।

****

http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com